

पाठ—10

लेखक

अपूर्व अनुभव
तेत्सुको कुरियानगी

तोतो चान और यासुकी चान दो मित्र हैं ।

यासुकी चान पोलियो ग्रस्त है ।

तोतो चान यासुकी चान को अपने पेड़ पर चढ़ने का निमंत्रण देती है ।

वहाँ बच्चे अपने-अपने पेड़ को निजी संपत्ति मानते हैं ।

यासुकी चान को पेड़ पर चढ़ाने के लिए
तोतोचान एक सीढ़ी लाती है।

यासुकी चान तोतो चान की मदद से पेड़ पर
चढ़ने में सफल हो जाता है।

यासुकी दुनिया के नजारों को देखता है और मन
ही मन खुश होता है।

तोतो चान के लिए ये इतना आसान नहीं था लेकिन हिम्मत और साहस के साथ वह यासुकी चान को पेड़ पर चढ़ाने के लिए तत्पर रही ।

दृढ़ प्रतिज्ञा और कर्तव्यनिष्ठता ने यासुकी चान के चेहरे पर प्रसन्नता ला दी थी ।

आज यासुकी चान ने दुनिया की एक नई झलक देखी ।

तेत्सुको कुरियानगी द्वारा लिखी जापानी कहानी का अनुवाद पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा ने अपंगता को सूक्ष्म और दृढ़ निष्ठा को स्थूल बनाकर पाठकों को प्रेरणा दी है।

सच्चरित्रता और सत्यनिष्ठा मानव के सामाजिक स्तर को सक्षत बनाने के दो मूलमंत्र हैं।

पाठांश के माध्यम से परोपकार की भावना का संदेश मिलता रहा है।